प्रतिरक्षा मंत्रालय में प्रतिरक्षा उत्पादन

मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) और (ख). कानपुर का विमान निर्माण डिपो भारतीय वायुसेना की वायुयान तथा ग्लाइडर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये एक विभागीय संस्था के तौर पर चलाया जा रहा है, कानपुर का विमान निर्माण डिपो किसी औद्योगिक संस्था के तौर पर नहीं चलाया जा रहा है, इस लिये उस संस्था के चलने में हानि लाभ का प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) इस संस्था के प्रबन्ध के लिए एक पब्लिक लिमिटिड कम्पनी बनाने का सुझाव विचाराधीन है ।

भोजपुरी लोक-नृत्य

८९१. **डा० महादेव प्रसाद** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भोजपुरी के लोक-नृत्यों पर कोइ वृत्त-चित्र तैयार किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो उसका स्वरूप क्या है ; और

(ग) अन्य लोक-भाषाओं से सम्बन्धित लोक-नृत्यों पर बने वृत्त-चित्रों का विवरण क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) जी, नहीं ।

(ख) सवाल ही नही उठता ।

(ग) फिल्म विभाग ने भारत के लोक-नृत्यों पर अ ब तक निम्नलिखित फिल्में तैयार की हैं :—

(१) भारत के लोक-नृत्य (रंगीन) १९५३	इसमें बिहार और बंगाल के संथाल नृत्य, उत्तर प्रदेश का युद्ध नृत्य और थाली नृत्य, उड़ीसा का कोया नृत्य और सौराष्ट्र का पन्धरा नृत्य शामिल हैं ।
(२) धरती की झंकार (रंगीन) १९५७	इसमें निम्न लिखित नृत्य शामिल हैं :— राजस्थान का गनगौर पूजा नृत्य, हिमालय के महासू क्षेत्र, पंगो घाटी, कुलू घाटी के नृत्य, दक्षिण के बंजारों, केरल, मालाबार के मोपलाओं, मणिपुर, तमिलनाडु, कश्मीर के नृत्य, गोंडों व बैगाओं के नृत्य, सौराष्ट्र की रास लीला, गुजरात का गरबा, असम, नागालैंड, दार्जिलिंग के और महाराष्ट्र के कोलियों के नृत्य और पंजाब का गिद्धा और भांगड़ा ।
(३) नाचते कदम (दि डांसिंग फीट) (रंगीन) १९६२	धरती की झंकार का संक्षिप्त संस्करण ।
(४) मध्य प्रदेश के लोक-नृत्य (सादी) १९६२	इसमें ओराओं का सुरहाल नृत्य, माडियों का गौड़ नृत्य, जगदलपुर क्षेत्र का परब नृत्य, बैगाओं का बैगा नृत्य, गोंडों का गोंडी नृत्य और भील नृत्य शामिल हैं ।
(५) सौराष्ट्र के लोक-नृत्य (रंगीन) १९६३	इसमें पधरों, कोलियों, मैडों के नृत्य, टिटोल नृत्य, दादिया रास नृत्य, रसद नृत्य और गफगुनथन नृत्य शामिल हैं ।